जिनके लिए पांच लाख भी ख्वाब थे उनको मिले 5-5 करोड़ रुपये के ऑर्डर

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो ने छोटे उद्यमियों को दिए बड़े अवसर, सरकार भी करेगी मदद

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। नोएडा में हुए यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो ने छोटे उद्यमियों के लिए कितने बड़े अवसर खोले हैं, इसकी बानगी है छोटे-छोटे हुनरमंदों को मिले भारी भरकम ऑर्डर। बनारस के गुलाबी मीनाकारी कारीगरों और गाजीपुर व अन्य जिलों के जूट कारीगरों को मिले पांच-पांच करोड़ के ऑर्डर ट्रेड शो की सफलता की कहानी बता रहे हैं।

खास बात यह है कि जिन कारोबारियों को आज तक पांच लाख के ऑर्डर नहीं मिले, उनको भी पांच-पांच करोड़ के ऑर्डर मिले हैं। इतने बड़े ऑर्डर से हतप्रभ इन कारीगरों की मदद अब सरकार करेगी ताकि वे समय से सप्लाई सुनिश्चित कर सकें। ट्रेड शो की ऐतिहासिक सफलता को देखते हुए

ट्रेड शो के बारे में जानकारी देते एमएसएमई मंत्री राकेश सचान। उनके साथ मौजूद प्रमुख सचिव सूचना संजय प्रसाद व प्रमुख सचिव आलोक कुमार। -अमर उजाला

एमएसएमई मंत्री ने कहा, हर मंडल में कराए जाएंगे ट्रेड शो

एमएसएमई विभाग अब मंडल स्तर पर भी ट्रेड शो कराएगा।

लोकभवन में बृहस्पतिवार को एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने बताया कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो की सफलता को देखते हुए मंडल स्तर पर अब इसका आयोजन होगा। हर मंडल मुख्यालय में ट्रेड शो के लिए एक प्रदर्शनी केंद्र भी बनाया जाएगा। आगरा, वाराणसी और लखनऊ में तीन यूनिटी मॉल स्थापित होंगे। बरेली में भी स्मार्ट सिटी के माध्यम से एक मॉल लिया गया है, नोएडा में पहले से व्यवस्था है।

सचान ने बताया कि 2023 में हुए पहले संस्करण की तुलना में दूसरा संस्करण हर मामले में हिट रहा। प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने बताया कि इस शो के दो उद्देश्य थे। पहला-छोटे उद्योगों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराना और दूसरा हमारे क्राफ्ट, कुजीन और कल्चर से दुनिया को परिचित कराना था। भारत के बहुत सारे ब्रांड तो पहले से ही विदेशों में हैं, लेकिन उत्तर प्रदेश का ब्रांड नहीं है। इस आयोजन से पूरी दुनिया में 'ब्रांड यूपी' को पहचान मिली है।

सचान ने बताया कि ट्रेड शो में ओडीओपी के 350 स्टॉल लगाए गए थे। छोटे-छोटे कारीगरों को बड़े प्लेटफॉर्म मुहैया कराने का नतीजा है कि जूट का थैला बनाने वालों को भी पांच करोड़ रुपए का ऑर्डर मिल गया। इतने बड़े ऑर्डर की सप्लाई को लेकर स्वयं सहायता समूहों के जरिए सरकार उनकी मदद करेगी। इस दौरान प्रमुख सचिव सीएम व सूचना संजय प्रसाद और सूचना निदेशक शिशिर भी मौजूद थे।